

75

3147

423



सर्व
25000
सर्व जारी, आगरा
25000



04DD 069296

-- जैगिहा :-

147000

किस्म दस्तावेज -	बैनामा ।
विहीत कीमत -	5,50,000/- रुपया ।
स्टाम्प मालियती -	14,77,000/- रुपया ।
स्टाम्प -	1,47,700/- रुपया ।
सर्किल रेट -	30,00,000/- रुपया प्रति हेक्टेयर ।

विहीत आराजी कृषि आराजी है और कृषि कार्य हेतु ही विहय की जा रही है और जो मुख्य मार्ग से एक कि०मी० से भी अधिक की दूरी पर स्थित है ।

KOR
20/12/20
गारु रेट

गारु रेट





0400 069297

- 2 -

विशेष:- श्री भारत सिंह
भरत सिंह/पुत्र श्री सुरज भाव - निवासी ग्राम बरौली
अहीर तहसील व जिला आगरा ।

क्रेता:- मुल्कान बिल्डकोन प्रा० लि० राजि० जायलिय बरौलीबाग नई
दिल्ली द्वारा अधिकृत प्रतिनिधि यशवीर सिंह पुत्र श्री महावीर सिंह
निवासी गणेश नगर फाउण्डरीनगर आगरा ।

जो कि एककिता आराजी बाकै मौज्जा बरौली अहीर तहसील व जिला
आगरा खाता नम्बर 333 खसरा नम्बर 879 रकबा 0.4922 हेक्टेयर
लगानी 10.60 रुपया तक वसुलादितक खतौनी दिनांक 20-6-2005
ई० की प्रमाणित प्रतिलिपि के अनुसार मैं विक्रेता श्री/श्री/संक्रमण
भूमिपर मालिक काबिज व दखील पदा आता हूँ और मेरा नाम कागजात
सरकारी देहा में दर्ज पला आता है । मेरे सिवाय अन्य कोई ताजी व

भारत सिंह

यशवीर सिंह



प्रदीप भागंड
16 JUN 1965
कोषाधिकारी, आगरा

04DD 069298

- 3 -

हिस्सेदार किसी प्रकार का आराजी सज्जुरावाला धिक्कृत कुल में नहीं है कि जो माने किसी तरह के इन्तकाल बगेरा का होवे और जो आज तक हर तरह के जरूरे व बार व दावे व बगड़े व रहन व पै व हिवे व मुआहिदा वै व सक्कूजीशन व सक्कूहेकिल भोरगेज व जमानत व कुर्की व नाजिरा व नीलाय व तमस्त प्रकार की देनदारियों व जिम्मेदारियों से कतई मुबरात पाक व ताफ है कि जिसका जिक्र अता वास्ते अकूरनबुद व भिकने नाकूल व तवार्थिक कीमत के त्वरीकार है जिसमें तरातर अंसदा मुझ विदेता का है कि जिसको देता सक नाकूल कीमत अदा करे-क्य करने को रजामन्द है ।

जिहाजा में विदेता अपनी राजी व कुमी से लूख तोच व तमझकर विला बढकाये व लिबाये व विला दबाव किसी नाजायज के स्थल पित्त मन बुद्धि व इन्द्रिय के आराजी सज्जुरावाला कुल को मर

मर सिद्ध

पञ्चीस हजार रुपये



प्रदीप भागवत
16 JUN 2005
कोलकाता, आगरा

0400 069299

- 4 -

गुडटाइमिंग के वरमज सुवर्णिम 5,50,000/- पाँच लाख पचास हजार
रुपया कि आधे लिस्के सुवर्णिम 2,75,000/- दो लाख पचहत्तर
हजार रुपया होते हैं बढत - मुल्कान थिल्डकोन प्राउलिउ राबिउ
कायलिम करौलयाग नई दिल्ली द्वारा अधिकृत प्रतिनिधि यमलोर
मिह पुत्र श्री महावीर सिंह निवासी गणेशनगर फाउण्डरीनगर आगरा
क्रेता उक्त को पूर्ण आधिपत्य व स्वामित्व सहित वै काई की और
बेच दी और कीमत का पूरा धन सुवर्णिम 5,50,000/- पाँच लाख
पचास हजार रुपया गुड विंकेता ने क्रेता से इस प्रकार वसूल पालिया
कि सुवर्णिम 50,000/- रुपया पहले ही प्राप्त कर लिये व सुवर्णिम
5,00,000/- रुपया द्वारा बैंक नम्बरी 643003 दिनांक 20-6-06
कि जो केनरा बैंक कलकत्ता नगर, पंखा आगरा का है, के विधि भुगतान

नारायण सिंह

प्रदीप भागवत





प्रदीप साहू
13 JUN 2011
कोषाधिकारी, आगरा
TRY

02BB 523819

- 5 -

के प्राप्त कर लिया। इस प्रकार अब मुझ विक्रेता को खरीदार उक्त
से कीमत में कुछ पाना बाकी नहीं रहा है और न आर्पण होगा।
लिहाजा कब्जा व दखल ज़ाराजी मुँसैया दिखीत कुल में मुझ विक्रेता
ने वहीतियत त्वासी के खरीदार का करा दिया और कतई मालिक
काबिज व दखील बना दिया। अब खरीदार को आज से हक व
अधिकार है कि वह ज़ाराजी मुँसैया दिखीत कुल में वहीतियत त्वासी

मार्ग रिट



मार्ग रिट





प्रदीप भूषण
कोल प्रकाश, आगरा
TRY

02BB 523820

- 6 -

के पाहें जित प्रकार से लाभ उठावे उसमें कृषि कार्य करें या रहन व
वै व हिवै व मुआहिदा वै आदि आदि जो चाहे सो करें और
अपने नाम का इन्द्राज कागजात सरकारी देहा में जरिये बैनामा
हाजा दहेसियत त्यागी के दर्ज कराने इसके लिये अन्य किसी
सहमति व अनुमति की आवश्यकता नहीं होगी ।

महाराष्ट्र

महाराष्ट्र



5000Rs.



3677

- 7 -

अंगर तान्तिअडल कोई पदरिल या दावेदार जीनी या बांदाजी
बांधूनी या बांध्याली या दोनर कोई विमानतदार किसी तरह
का पैदा नोकर कोई दाना या लुगड़ा खरीदार उसन से करे या
उनके स्वाभित्त अधिकारों व कब्जे में बाधा डाले या किसी दोनर

माइर सिंह

पुंशजीसिंह



5000Rs



3678

- 8 -

समस्त ने राज्या लुट पा लुट खरादार ने निष्पन्न किये पा जित्ती की
कोई राज्य उठा करती पड़े पा मैलास हाज में कोई कादूनी इना
नाई जमे लो लेती तमाम तूरतों में उनलु की जवाबदेही द
जिल्लेदारी तनहा मुझमिहेता की द वारिसान द कायम सुमानान

२१/११/१६

मोहरी सिंह



5000Rs.



3679

- 9 -

इसमें से भी है और होगा । उक्त तमाम धरीदार जो अधिकार
होगा कि वह कुल धरे तमाम अपना सब कुछ धरजा न करवा जादि
कहिने सुन पिछेता की जात धाम धामदाह मन्तुला व गैरमन्तुला
पर किस्म से धाहें जित प्रकार से बतूल करने कुछ उधर न होगा ।

नारायण सिंह

नारायण सिंह

1000Rs.



अदीप भागद
13 JUN 2005
कोषा वि. वि. अ. 7/3/1
TRY

- 10 -

अदालत मुद्रा विहीन रूप में जमीन नज़ूत व राजस्व अस्थान की
समस्त नहीं है और कहीं कहीं बाद में अतिरिक्त रिक्त भूमि

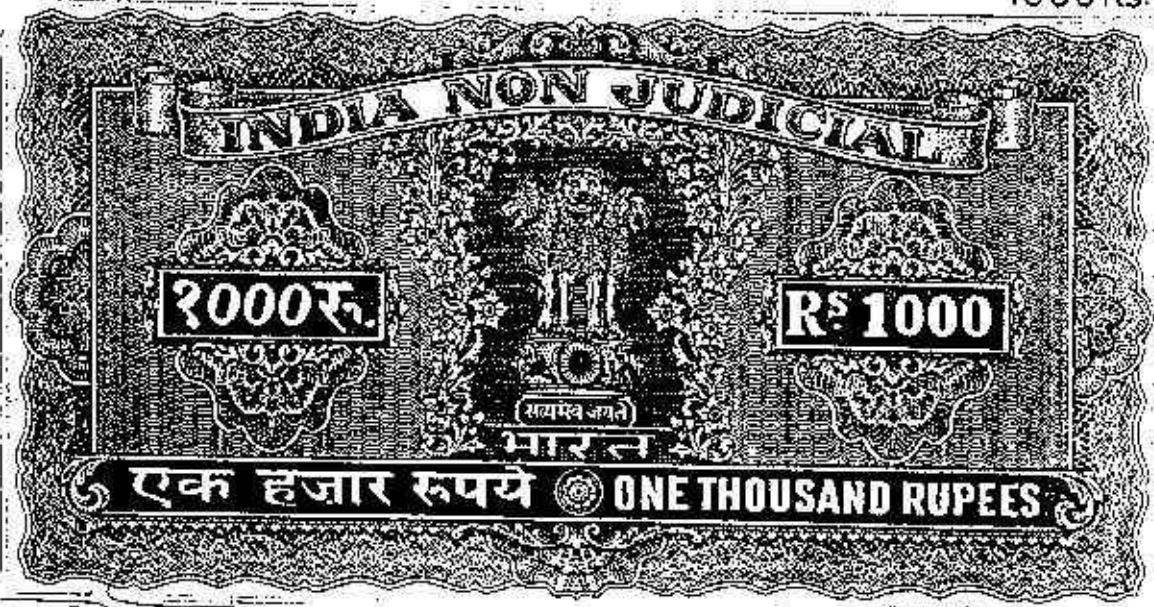
20/12/05

म. द. अ. वि.



1000Rs.

3650

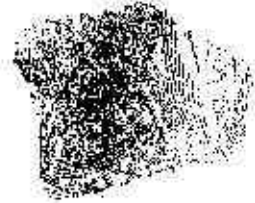


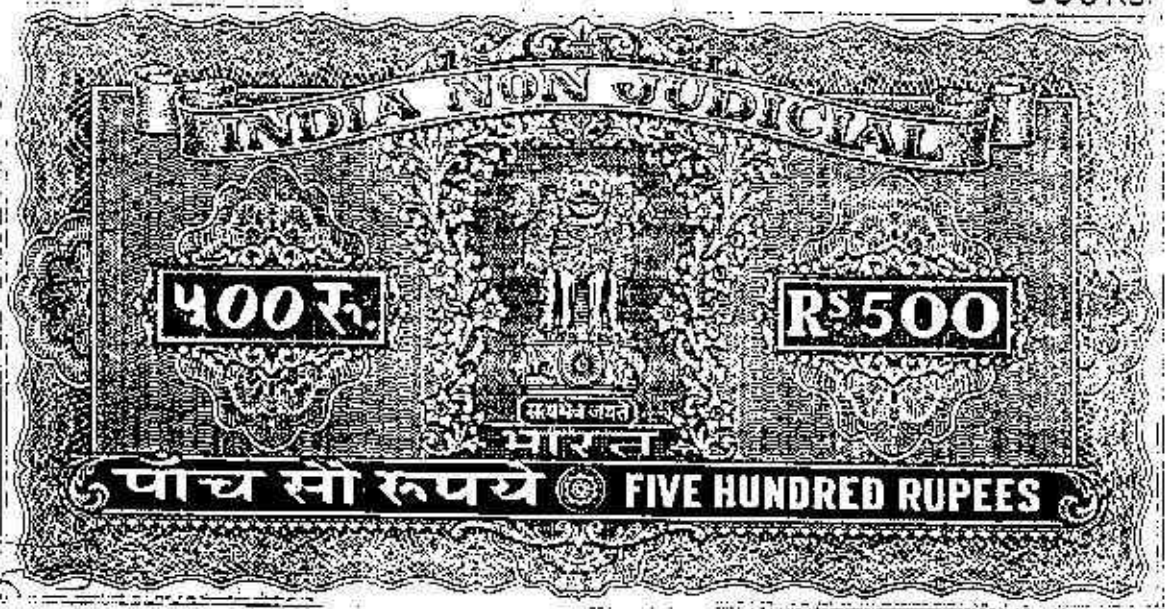
प्रदीप भाग्य
16 JUN 2015
कोषाधिकारी, अमरा
गढ़

घोषणा की गई है। जिसका वास्तविक रूप विद्यमान है किसी प्रकार का कोई सुझाव नहीं दिया गया है। आशंकित सुझाव कृत है

7/10/15

म. 24/6/15

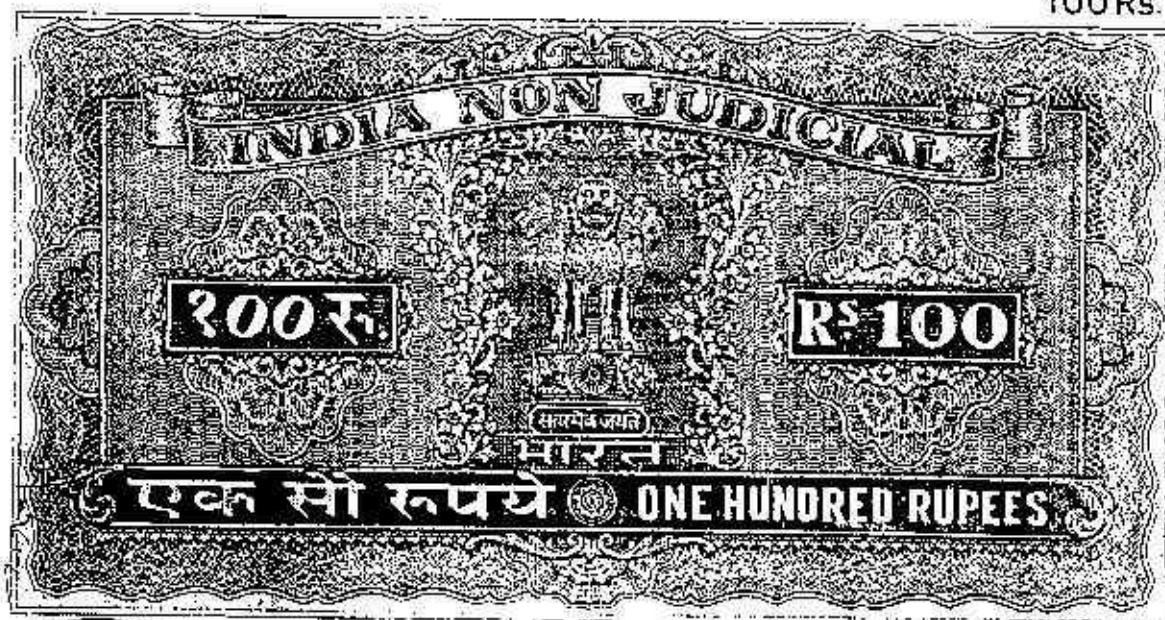




- 12 -

विशेष शेष में छे-ध मिश्रित अनुसूचित जाति व जनजाति के सदस्य नहीं हैं। नोट पर 2 को तब तक में "हिंदू" व "पुत्र" के बीच बांटाये गतर "उक्त भारत सिंह" तद्विषय है जो स्वीकार है।

संज्ञा 2 व रिट



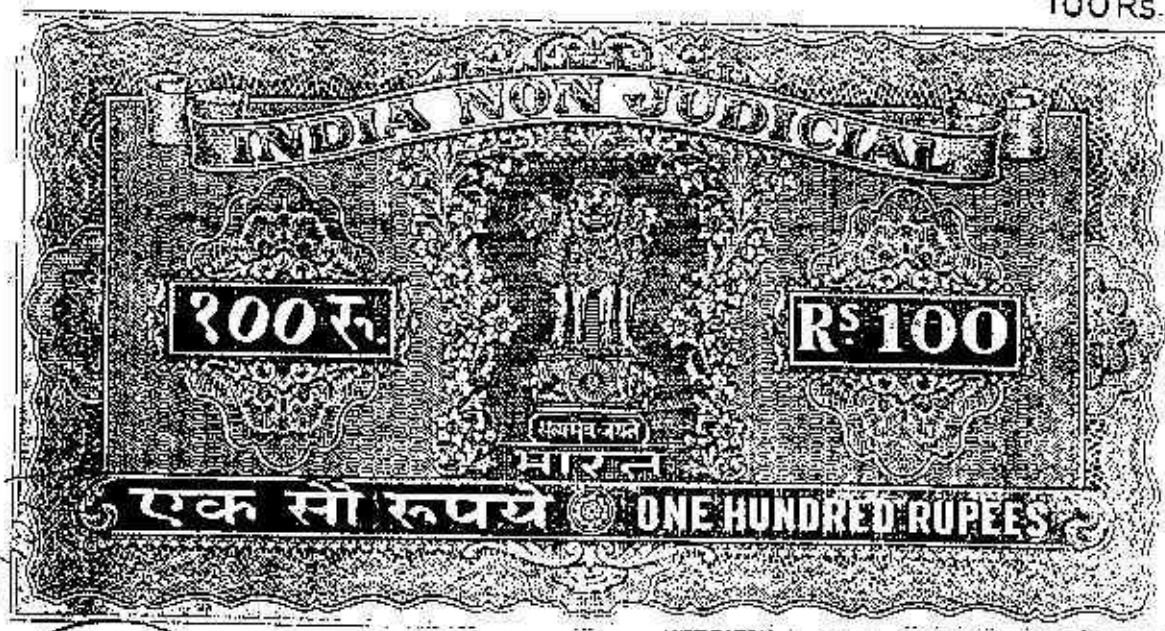
- 13 -

महानिरीक्षक निपन्थन 3090 है आदेशानुसार भारतीय स्टाम्प अधिनियम की धारा 27(1) के अन्तर्गत में यह घोषणा करता हूँ कि ऐसे तमगने तथा एवं मरिचिकायिकाओं को स्टाम्पडेलीता को प्रमाणित कर सकते हैं पूर्णतया तत्पक्षपूर्वक अंकित कर दिये गये हैं।

१२/०६/०५

का २५ दिनांक





- 14 -

लिडाया. 30 बैशाख 1957 दिनांक के लिये रहे और तमाम पर ध्यान जाये ।
 तारीख 2 - 6-2005 ई० मन्तव्य सुदेव चन्द्र अग्रवाल वरतापेज लेखक नि०
 35/141, मौजता अग्रवाल व डाईमार्त वंदेश कुमार गोपाल तद्वर तद्वतल अग्रवाल
 मुक्तिरान है कथन-मुक्तिर अंशित किया गया ।

24 सिंहा

गवाह धर्म सिंह पुत्र श्री श्याम सिंह
 निवासी बरौली तहसील अजमेर

पौरोहित्य/विद्वान

गवाह देवादास पुत्र श्री कृष्ण सिंह
 निवासी बरौली तहसील अजमेर

गवाह श्री 00

100 रु. का नॉन-जुडिशियल स्टैम्प
 डाईमार्त व. 31-3-2005
 नॉन-जुडिशियल स्टैम्प
 100 रु. का नॉन-जुडिशियल स्टैम्प

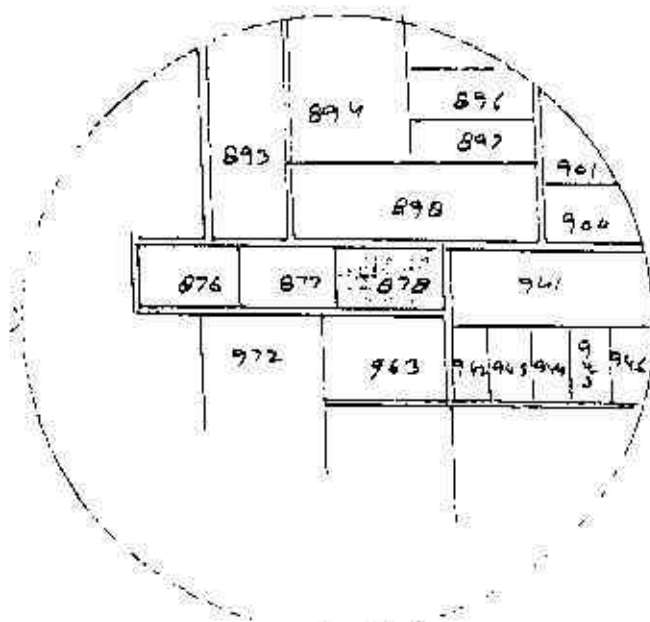
Signature

मन्दीरा मजरी कुँवर भीम खोली करवा 333 बंगला मटका 878
 काँक शक चोली भीर खलील 5 जिला कागदा

किन्हेता:- भरत सिंह ५० बूखमान

वेदा:- कुमान किन्हेता ३० लि० न० दिल्ली काग आधिकृत
 गतिनीध चरपार सिंह

रकम ०.५९२२ सिन्हेता-



माता सिंह

माता सिंह

TRACED BY

[Signature]

Gandhi College, Gandhinagar
 Gandhinagar, Gandhinagar
 Gandhinagar, Gandhinagar

2036

स्टाम्प विक्रय की तिथि 20-6-25

स्टाम्प कय करने का प्रयोजन

स्टाम्प केता का नाम व पता मि. का. प्रिन्टिंग प्रि. लि. - 2084

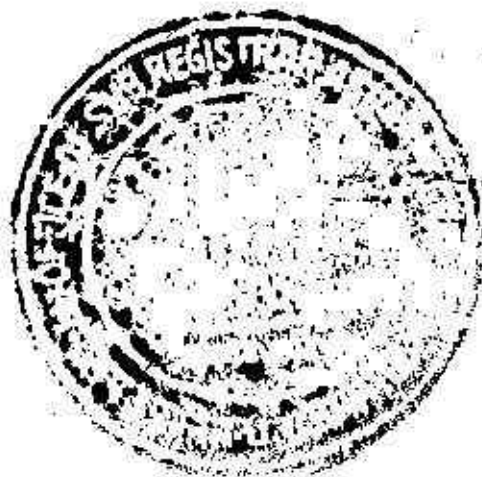
स्टाम्प की पुष्टि 100

ब. उ. धीर सिंह

स्टाम्प विक्रेता ला. नं. 8

लाइसेंस की अवधि 31 मार्च 2006

नगर महानगर परिषद, भागलपुर



T.

477/0401-

30/7/05

नं. I दिनांक 900 133

से नं. 314 दिनांक 168

नं. 20/6/05

उप निदेशक पुलिस
भागलपुर